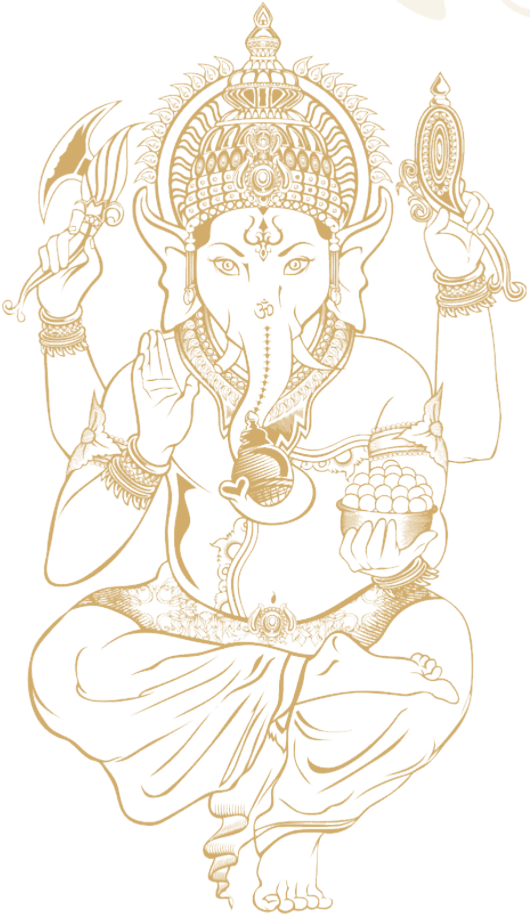

Sangam

26 Aug 2001

08:16 PM

Bijnaur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121340002

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**: 26/08/2001**
दिन	: रविवार
जन्म समय	**: 20:16:00 घंटे**
इष्ट	: 36:21:56 घटी
स्थान	**: Bijnaur**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 26:44:00 उत्तर
रेखांश	: 80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 20:09:36 घंटे
वेलान्तर	: -00:01:50 घंटे
साम्पातिक काल	: 18:29:17 घंटे
सूर्योदय	: 05:43:13 घंटे
सूर्यास्त	: 18:32:41 घंटे
दिनमान	: 12:49:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 09:33:12 सिंह
लग्न के अंश	: 16:17:47 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**: वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**: ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	: बुध
योग	: वैधृति
करण	: बालव
गण	: राक्षस
योनि	: मृग
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: नो-नोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	16:17:47	498:54:47	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			सिंह	09:33:12	00:57:55	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृश्चि	18:51:36	12:40:13	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	नीच राशि
मंगल			वृश्चि	29:58:58	00:25:19	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			सिंह	27:46:38	01:36:10	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			मिथु	15:09:11	00:10:29	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	05:27:34	01:11:15	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि			वृष	20:12:50	00:03:17	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु			मिथु	10:45:52	00:00:32	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु			धनु	10:45:52	00:00:32	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	28:32:54	00:02:20	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	12:48:05	00:01:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	18:39:59	00:00:06	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			धनु	12:50:29	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:32

लग्न-चलित

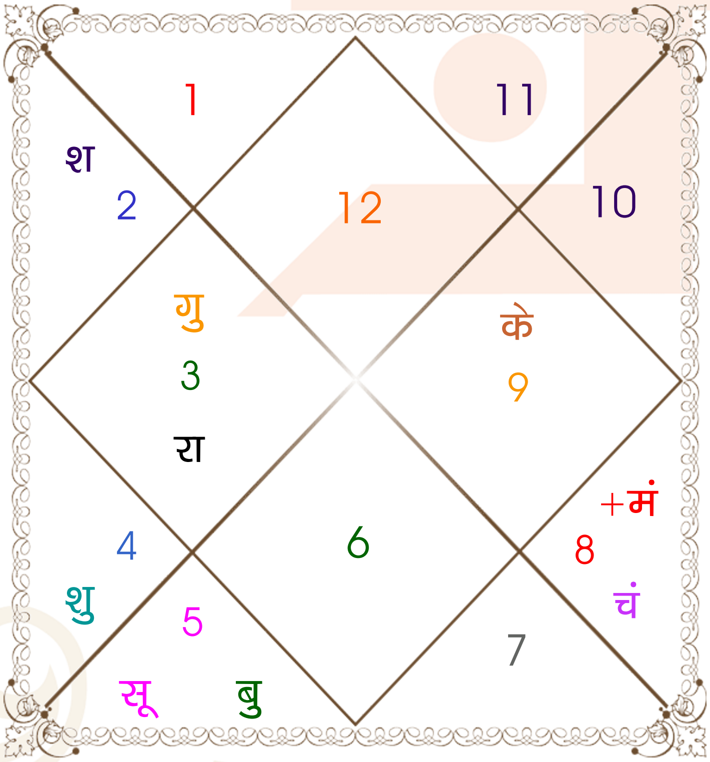

चन्द्र कुंडली

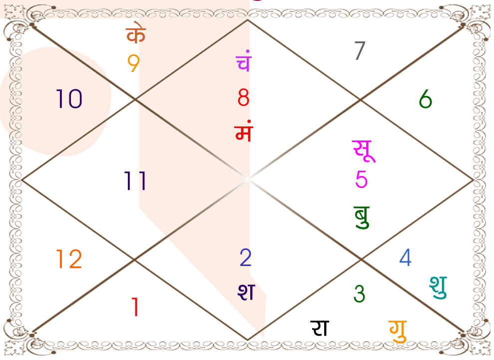

नवमांश कुंडली

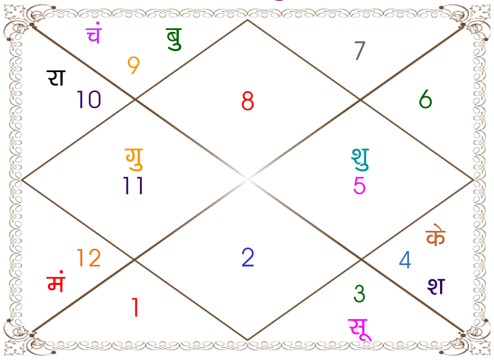

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 2 मास 13 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/08/2001		**09/11/2015**		**09/11/2022**		**09/11/2042**		**08/11/2048**	
09/11/2015		**09/11/2022**		**09/11/2042**		**08/11/2048**		**09/11/2058**	
	26/08/2001	केतु	06/04/2016	शुक्र	10/03/2026	सूर्य	26/02/2043	चंद्र	09/09/2049
केतु	04/04/2002	शुक्र	06/06/2017	सूर्य	11/03/2027	चंद्र	28/08/2043	मंगल	10/04/2050
शुक्र	02/02/2005	सूर्य	12/10/2017	चंद्र	08/11/2028	मंगल	03/01/2044	राहु	10/10/2051
सूर्य	09/12/2005	चंद्र	13/05/2018	मंगल	08/01/2030	राहु	27/11/2044	गुरु	08/02/2053
चंद्र	10/05/2007	मंगल	09/10/2018	राहु	08/01/2033	गुरु	15/09/2045	शनि	09/09/2054
मंगल	07/05/2008	राहु	28/10/2019	गुरु	09/09/2035	शनि	28/08/2046	बुध	08/02/2056
राहु	24/11/2010	गुरु	03/10/2020	शनि	09/11/2038	बुध	04/07/2047	केतु	08/09/2056
गुरु	01/03/2013	शनि	12/11/2021	बुध	09/09/2041	केतु	09/11/2047	शुक्र	10/05/2058
शनि	09/11/2015	बुध	09/11/2022	केतु	09/11/2042	शुक्र	08/11/2048	सूर्य	09/11/2058

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/11/2058		**09/11/2065**		**09/11/2083**		**09/11/2099**		**10/11/2118**	
09/11/2065		**09/11/2083**		**09/11/2099**		**10/11/2118**		**00/00/0000**	
मंगल	07/04/2059	राहु	22/07/2068	गुरु	27/12/2085	शनि	13/11/2102	बुध	08/04/2121
राहु	25/04/2060	गुरु	15/12/2070	शनि	10/07/2088	बुध	23/07/2105	केतु	27/08/2121
गुरु	31/03/2061	शनि	21/10/2073	बुध	16/10/2090	केतु	01/09/2106		00/00/0000
शनि	10/05/2062	बुध	10/05/2076	केतु	21/09/2091	शुक्र	31/10/2109		00/00/0000
बुध	07/05/2063	केतु	28/05/2077	शुक्र	22/05/2094	सूर्य	13/10/2110		00/00/0000
केतु	04/10/2063	शुक्र	28/05/2080	सूर्य	11/03/2095	चंद्र	14/05/2112		00/00/0000
शुक्र	03/12/2064	सूर्य	22/04/2081	चंद्र	10/07/2096	मंगल	23/06/2113		00/00/0000
सूर्य	10/04/2065	चंद्र	22/10/2082	मंगल	16/06/2097	राहु	29/04/2116		00/00/0000
चंद्र	09/11/2065	मंगल	09/11/2083	राहु	09/11/2099	गुरु	10/11/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 2 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाती है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करती है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करती है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगी।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर ली तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकती हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगी। परंतु आपको अपनी फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करती रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकती हैं। आप एक प्यारे पति आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगी।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर ली तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगी। आप सर्वथा अपनी मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगी। लेकिन आपके सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रही तो एक सफल गायक कलाकार हो सकती हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकती हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि की महिला हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखती हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करती रही तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगी।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहती हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।